एक नजर में

स्ट्रीट लाइटें बंद होने से पसर रहा अंधेरा

रतलाम : शहर के कई इलाकों में लंबे समय स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी है। इससे अंधेरा पसर रहा है। रात के समय आवाजाही करने वाले राहगीरों व वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अंधेरे के कारण दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। नागरिकों ने निगम प्रशासन से स्ट्रीट लाइटें सुधारने की मांग की है।

शहर में मवेशियों की धरपकड़ की जाए

रतलाम : शहर के गली-मोहल्लों, कालोनियों के साथ प्रमुख बाजारों में बड़ी संख्या में मवेशी स्वछंद विचरण कर रहे हैं। मवेशियों के झुंड के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है, वहीं जगह-जगह गंदगी फैल रही है। नागरिकों ने मवेशियों की धरपकड़ करने की मांग की है।

बार-बार गुल हो रही बिजली, उपभोक्ता परेशान

हनुमानजी के जीवन में असंभव कुछ भी नहीं था

कार्यक्रम ● **डा. शिवमंगलसिंह सुमन स्मृति शोध संस्थान में संगोष्ठी का आयोजन**

नईदुनिया प्रतिनिधि, रतलाम : डा. शिवमंगलसिंह सुमन स्मृति शोध संस्थान में राम काव्य परंपरा में दासत्व भाव की भक्ति विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्षता कर रही डा. मंगलेश्वरी जोशी ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन और चरित्र की वर्तमान जीवन संदर्भों में महती आवश्यकता है। हमारे अंदर विराजित राम को हम अपने जीवन व कर्म में उतारें। राम काव्य में आदर्श अनुशासन विनय की जो पराकाष्ठा है, वह जनमानस में होना चाहिए। हनुमानजी इसके सशक्त उदाहरण है। आज्ञा व अनुशासन की खान है हनुमानजी।

आपने प्रेम मुदित मन से कहो राम-राम-राम गीत की सस्वर प्रस्तुति दी। डा. उषा व्यास ने कहा कि राम काव्य परंपरा में रामचरित्र की अनुपम महामाला के रत्न हनुमानजी हैं। हनुमानजी के जीवन में असंभव कुछ भी नहीं था। अद्भुत वीरता बुद्धिमता वरिष्ठम ज्ञानियों में अग्रगण्य दासों के दास हनुमानजी में अभिमान लेशमात्र भी नहीं था। अतुलित बल के धाम ने कभी अपना संतुलन नहीं खोया। इसीलिए नई पीढ़ी को भी यही संदेश है कि वे किसी भी परिस्थिति में अपना संतुलन नहीं खोए।

एमए साहित्य के छात्र हार्दिक अग्रवाल ने कहा कि रामचरित मानस हमारे जीवन की ऐसी कुंजी है। इसके आधार पर मानव विकास के सूचकांक तैयार किए जा सकते हैं। यह हमारे भारतीय सनातन धर्म की ताकत है कि परमसत्ता ने भारत भूमि पर अवतार लेकर जन-जन के

कार्यक्रम के दौरान संबोधित करती हुई डा. मंगलेश्वरी जोशी। ● नईदुनिया

कल्याण का मार्ग दिखाया। हम राम राज्य की कल्पना को साकार स्वरूप प्रादन करने में पीछे नहीं है। आकाश अग्रवाल ने कहा कि राम का जीवन चरित्र विश्व के विराट फलक पर विराजित होकर जन साधारण का मार्गदर्शन कर रहा है। धर्मप्राण भारत को विश्वगुरु होने से कोई नहीं रोक सकता। प्रिया उपाध्याय ने कहा कि राम के मूल्यों व आदर्शों को जीवन में उतारना है। रश्मि उपाध्याय ने कहा कि राम का जीवन चरित्र हमें सर्वत्र देखने को मिलता है। घर-परिवार, समाज, देश, राजनीति में सभी जगह राम है। आवश्यकता है हमें दासत्व भाव से अनुकरण करने की। डा. शोभना तिवारी ने कहा कि राम भक्ति की सजीव साकार मूर्ति हनुमानजी हैं। हनुमानजी का दासत्व भाव वर्तमान समय में एक अनुशासन को स्थापित करता है, उन उच्चादर्शों को भी स्थापित करता है, जो हनुमानजी के स्वभाव व चरित्रगत विशेषताएं हैं। इन सभी के अनुकरण से व्यक्तित्व में विनयशीलता आती है।

हिम्मत पंवार ने कहा कि राम की भक्ति समानता का बोध कराती है, वहां कहीं किसी से द्रोह नहीं है। ऐसे ही विनयशील हनुमान है। विनम्रता उनमें कूट-कूट कर भरी है। दासत्व भाव का अर्थ यही है कि विनयशील होना।

जो आज की पीढ़ी के लिए महज आवश्यक है। पंडित अखिल स्नेही ने कहा कि हनुमानजी दासों के दास हैं। राम काव्य परंपरा में राम के प्रति भक्ति परायण लक्ष्मण शबरी निषादराज जामवंत सभी के प्रति हनुमानजी का भाव बहुत आदर व विनम्रता का भाव रहा। अपने कार्यों को भी राम की कृपा को समर्पित करते हैं। नवोदित बैरागी, दीपा नागर, रेखा पाठक, सरिता नागर आदि उपस्थित रहे। संचालन डा. शोभना तिवारी ने किया। आभार हार्दिक अग्रवाल ने माना।